सात चीनी बहनें

एक समय की बात है कि चीन में एक जगह सात बहनें एक साथ रहती थीं और एक-दूसरे का ध्यान रखती थीं.

हर बहन के घने, काले चमकदार बाल और उज्ज्वल आँखें थीं. हर लड़की ऊँची-लंबी थी, सिवाय सातवीं के जो छोटी बच्ची थी.

लेकिन सब बहनें एक-दूसरे से भिन्न थीं.

पहली बहन आँधी के समान तेज़ स्कूटर चला सकती थी.

दूसरी बहन कराटे जानती थी - *किक, चॉप, ही-याह!*

तीसरी बहन गिन सकती थी – पाँच सौ तक और उससे भी आगे.

चौथी बहन कुत्तों से बातें कर सकती थी.

पाँचवी बहन गेंद लपक कर पकड़ सकती थी, चाहे वह कितनी भी तेज़ या ऊँची क्यों न फेंकी गई हो.

छठी बहन संसार का सबसे स्वादिष्ट नूडल सूप बना सकती थी.

और सातवीं बहन? कोई भी निश्चयपूर्वक यह न जानता था कि वह क्या कर सकती थी, क्योंकि वह बहुत छोटी थी और अभी तक उसने एक शब्द न बोला था.

दूर, बहुत दूर, पुल के पार, जंगल के दूसरी ओर, एक पहाड़ के ऊपर एक भयंकर ड्रैग्न रहता था. एक दिन वह नींद से जागा, वह बहुत भूखा था. उसने ज़ोर से सूँघा, *सू, सू, सू* और किसी स्वादिष्ट चीज़ की सुगंध उसे आई. यह छठी बहन का बनाया नूडल सूप था!

ड्रैग्न उड़ता हुआ पहाड़ से नीचे, जंगल के दूसरी ओर, पुल के पार, सीधा सात बहनों के घर के निकट आ गया.

सब बहनें इतनी व्यस्त थीं कि उन्होंने ड्रैग्न को वहाँ आते देखा ही नहीं.

पहली बहन अपना स्कूटर चमका रही थी. दूसरी बहन काली बेल्ट पाने के लिए कराटे का अभ्यास कर रही थी.

तीसरी बहन चावल के दाने गिन रही थी. चौथी बहन एक आवारा कुत्ते से बातें कर रही थी. पाँचवी बहन गेंद को एक मील ऊँचा फेंक कर लपक रही थी. छठी बहन थोड़े से और नूडल लाने के लिए उसी समय रसोई-भंडार में गई थी. और सातवीं बहन रसोई के फर्श पर यहाँ-वहाँ रेंग रही थी.

ड्रैग्न ने जब छिपकर रसोई के दरवाज़े से भीतर झाँका तो उसने गोल-मटोल सातवीं बहन को देखा. वह स्वादिष्ट सूप को भूल गया. उसके बजाय उसने छोटी बच्ची को झपट कर पकड़ लिया.

फिर वह उड़ कर पुल के पार, जंगल के दूसरी ओर, पहाड़ के ऊपर अपनी गुफा में चला गया.

पर जैसे ही ड्रैग्न ने सातवीं बहन को नीचे रखा - वह बस नमक लेने गया था - उसने अपना पहला शब्द बोला. और यह उत्तम शब्द था - यह था **मदद करो**!

छह बहनों ने सातवीं बहन को ढूँढ़ना शुरु किया ही था कि उन्हें उसकी पुकार सुनाई दी. वह तुरंत जान गईं कि यह उसकी आवाज़ थी.

"सातवीं बहन मुसीबत में है!" पहली बहन ने चिल्लाकर कहा. वह उछल कर अपने स्कूटर पर सवार हो गई. "हमें उसे बचाना होगा!"

बाकी बहनें उसके पीछे लटक गईं. पहली बहन जो तेज़ थी और शक्तिशाली भी थी, अपनी बहनों को खींच कर पुल के पार ले आई.

पुल के आगे एक घना जंगल था जहाँ कई पेड़ लगे थे - इतने अधिक कि तीसरी बहन दो-दो पेड़ों को एक साथ गिनने लगी.

अब सातवीं बहन की चीखें बहुत ऊँची थीं. बहनें पहाड़ के ऊपर जाने लगीं और शीघ्र ही वह ड्रैग्न की गुफा तक पहुँच गईं.
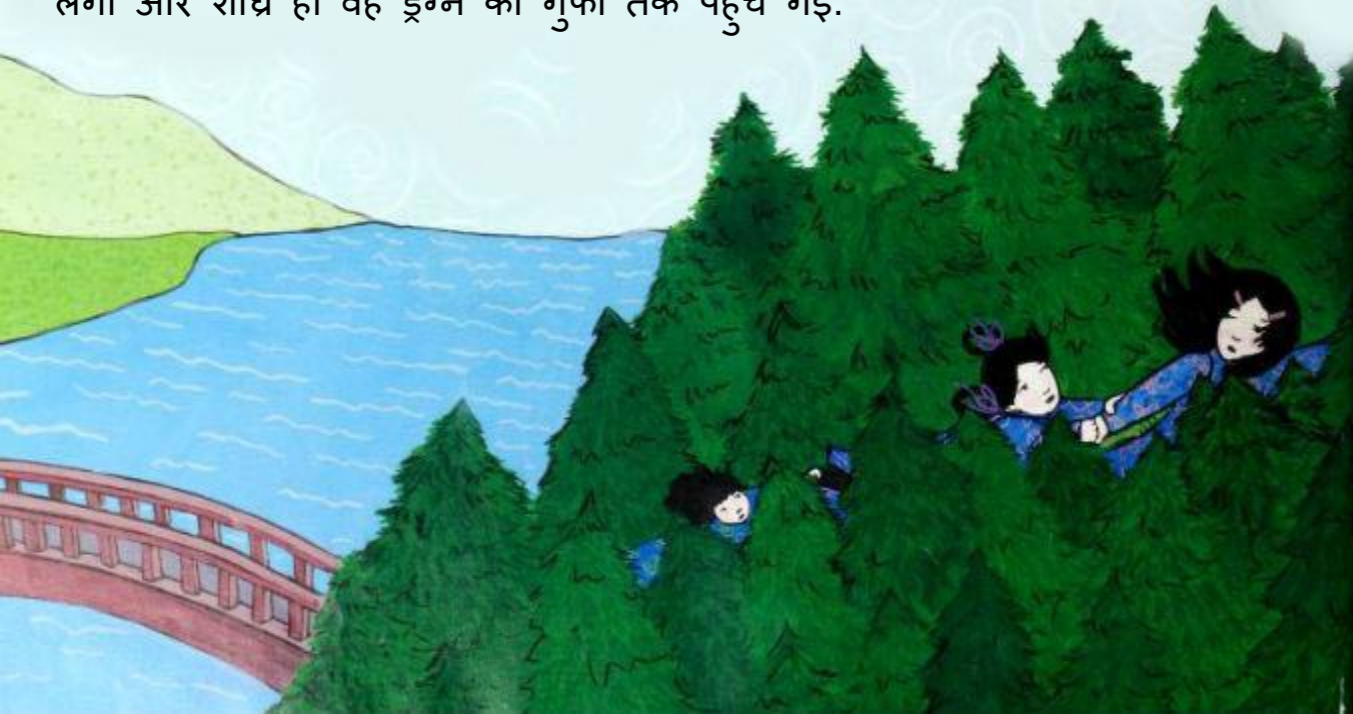
उन्हें धुयें की गंध आ रही थी और डरावनी चीखें सुनाई दे रही थीं.

चौथी बहन ने ध्यान से सुना.

ड्रैग्न कुत्तों की तरह बातें नहीं करते, लेकिन फिर भी ड्रैग्न की बातें वह कुछ-कुछ समझ पा रही थी.

ड्रैग्न गरजते हुए कह रहा था, “मदद के लिए चिल्लाने से कुछ न होगा-तुम मेरा रात का खाना बनोगी!” और अचानक सातवीं बहन ने अपना दूसरा शब्द बोला, और यह था ***नहीं!***

“अगर आप इसे बाहर ले कर नहीं आते तो आप को पछताना पड़ेगा, श्रीमान!” चौथी बहन ने कुत्तों की भाषा में कहने का प्रयास किया.

ड्रैग्न ने गरजना बंद कर दिया. वह लड़की क्या चिल्ला रही थी? उसे बस इतना ही समझ आया, “उसे बाहर लाओ, श्रीमान!” लेकिन आज तक किसी ने भी उससे बात करने का साहस न किया था. वह इतना आश्चर्यचकित था कि सातवीं बहन को उठा कर बाहर की ओर दौड़ा.

दूसरी बहन आगे आई. फिर, बिजली की गति से वह हवा में उछली और ड्रैग्न की ठोड़ी पर उसने वार किया और चिल्लाई, “ही-याह!”
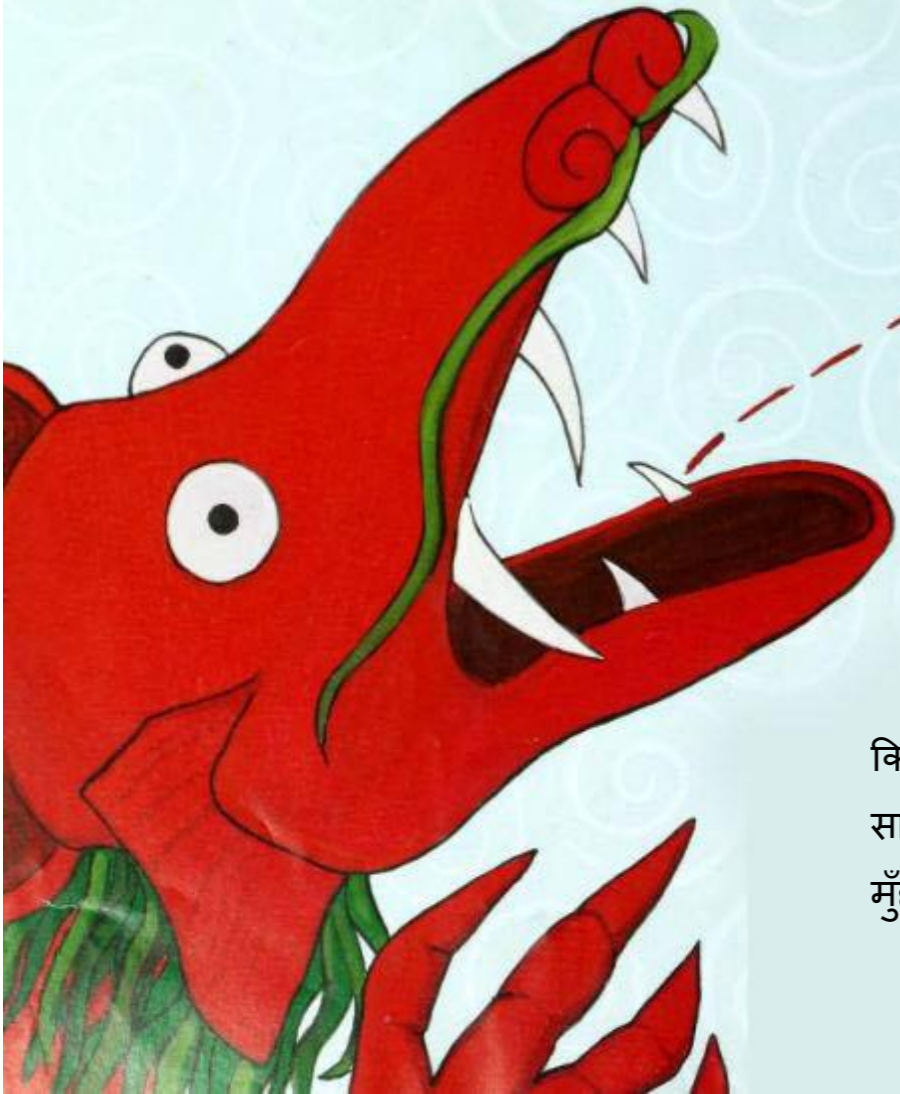
ड्रैग्न इतना हैरान हुआ कि ***हू हू*** चिल्लाया - और सातवीं बहन उड़ कर उसके मुँह से बाहर आ गई.

पाँचवी बहन पीछे, पीछे, और पीछे भागी. फिर ऊपर, ऊपर, और ऊपर उछल कर उसने सातवीं बहन को एक उड़ती हुई गेंद के समान पकड़ लिया.

जब ड्रैग्न ने देखा कि रात को खाना वह खो बैठा था तो वह ज़मीन पर लेट गया और रोने लगा. "भूख लगी है, भूख लगी है," रोते-रोते वह बोला. चौथी बहन उसकी बात समझ गई क्योंकि कुत्तों और ड्रैग्न की भाषा में 'भूख लगी है' का एक ही अर्थ होता है.

"वह बहुत भूखा है," उसने अपनी बहनों को बताया. तब हर बहन ने देखा कि वह बहुत दुबला-पतला और कुछ-कुछ उदास था.

पहली बहन ने सातवीं बहन को अपनी पीठ पर उठा लिया और उछल कर अपने स्कूटर पर सवार हो गई. अन्य बहनें उसके पीछे लटक गईं और सब आँधी की गति से पहाड़ से नीचे आने लगीं.

"कल छठी बहन इसके लिए थोड़ा सूप ला सकती है," पहली बहन ने कहा. "लेकिन अभी हमें सातवीं बहन को घर ले जाना होगा. वह बहुत थक गई है और उसका डायपर भी बदलना है."

"बहनों घर चलो!" सातवीं बहन ने चिल्लाकर कहा, वह बहुत जल्दी बातें करना सीख रही थी.

लेकिन जब वह जंगल के पास पहुँची तो पहली बहन रुक गई. जाते समय तो सातवीं बहन की चीखों ने उनका मार्गदर्शन किया था. लेकिन अब इस घने जंगल के बीच से अपना रास्ता वह कैसे ढूँढ़ सकती थीं?

"चिन्ता न करो," तीसरी बहन ने कहा, "जाते समय मैंने पेड़ों की गिनती कर ली थी. हमें पाँच सौ पेड़ों को पार करना है."

और जब तीसरी बहन ने दो-दो कर पाँच सौ पेड़ गिन लिए तब सातों बहनें पुल के पास पहुँच गईं.

स्कूटर पर वह पुल के पार आईं और अपने घर आ गईं. वहाँ उन्होंने छठी बहन के स्वादिष्ट नूडल सूप का मज़े से सेवन किया.

और सातवीं बहन ने बड़े होकर क्या किया?

वह संसार की सबसे अच्छी कथा-वाचक बनी,
और यही कहानी वह सदा सबसे पहले सुनाती थी.

समाप्त